

[श्री मंगलराम प्रेमी]

जनता एक्सप्रेस जो देहरादून से बनारस जाती है उसे मौजापुर नारायण पर रोका जाए क्योंकि मौजापुर नारायण एक जंक्शन है, सभी जगह को रेलें वहां से होकर निकलती हैं।

अतः माननीय रेल मन्त्री जी से अनुरोध है कि उपर्युक्त बिन्दुओं पर दिलचस्पी लेकर अविलम्ब कारगर एवं प्रभावी कदम उठाने का कष्ट करें, ताकि लोगों में रेल सुविधाओं का लाभ पहुंचे और रेलवे की आय में भी वृद्धि होगी।

(x) Need to declare Amravati as industrially backward district

श्रीमती ऊषा प्रकाश चौधरी (अमरावती) : उपाध्यक्ष महोदय, महाराष्ट्र के अमरावती जिले में आदिवासी जनता का बाहुल्य है। यह जिला अत्यन्त पिछड़ा हुआ है। सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से यह क्षेत्र पिछड़ रहा है। सर्वत्र गरीबी और बेरोजगारी व्याप्त है। शिक्षा की दृष्टि से समुन्नत होते हुए भी शिक्षित बेरोजगारों की संख्या इस क्षेत्र में काफी अधिक है। युवकों में गहरी निराशा फैली हुई है। खनिज पदार्थ वन सम्पदा और कृषि की दृष्टि से समृद्ध होने पर भी अमरावती में इनके व्यावसायिक उपयोग की कोई योजनाएँ न होने से लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं है। अमरावती परस्पर विरोधाभास का मूर्त रूप है। हथकरघा बुनकरों की कला और शिल्प के लिए विख्यात इस जिले में हस्तशिल्प को प्रोत्साहन देने की कोई महत्वपूर्ण योजना नहीं है। बड़ा उद्योग का तो नाम मात्र भी नहीं है। पिछली बार जब मैंने इसी आशय का एक प्रश्न लोकसभा में उठाया था तो सरकार ने यह उत्तर दिया कि इस विषय पर विचार किया जा रहा है। मेरा यह निवेदन है कि शिवरामन समिति को यह मामला निर्दिष्ट कर अमरावती को औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा क्षेत्र घोषित किया जाए और इसे अधिसूचित कर आदिवासी प्रधान अमरावती क्षेत्र के प्रति अन्याय का निवारण किया जाए।

(xi) Need to provide residential accommodation to traders of Kashmir in Delhi

PROF. SAIFUDDIN SOZ (Baramulla) : Numerous housing colonies came up in Delhi for various categories of people during the past three decades. The fruit growers and merchants from the J and K State who make a livelihood from this industry have to be in Delhi for most part of the year as the sole marketing place for Kashmir fruit happens to be in Azadpur in Delhi. These merchants/growers have been facing great hardship in the absence of proper residential accommodation. They have been pressing their demand for a pretty long time. The most convenient thing would be to accommodate Kashmiri fruit growers in the Shalimar housing complex, which is in the vicinity of Azadpur market. Alternatively, land could be allotted to them at some convenient place. This matter can hardly brook any further delay.

Another category of people are the labourers who are mainly dependent on this industry and have per force to migrate to Delhi for over six months every year. It would be in the fitness of things to build a Sarai in the Azadpur Market complex to accommodate such people during their stay in Delhi. India being a welfare State, it should take measures whereby weaker sections can derive benefit through the Central Government's welfare measures.

14 22 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER
OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported failure of Delhi Development
Authority to allot land to a large number
of Group Housing Societies

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur) : I call the attention of the Minister of Works and Housing to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereon :—

“The [reported failure of the Delhi